an>

Title: Need to revive Barauni Fertilizer Factory in Bihar.

डॉ भोला सिंह (बेगूसराय) ः नेप्था आधारित बरौनी उर्वरक कारखाना वालू अवस्था में ही 2002 में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी के शासनकाल में यह कहते हुए बंद किया गया था कि इसे चलाना लाभप्रद नहीं हैं और जब गैस आधारित उर्वरक कारखाने खोले जायेंगे तो बरौनी उर्वरक कारखाने को प्राथमिकता दी जायेगी। इस कारखाने को बंद हुए 13 वर्ष हो गये हैं, पर इस दिशा में अपेक्षित कदम उठाने में अभी भी तत्परता नहीं बरती जा रही है। हल्दिया, जगदीशपुर पाइपलाइन जिसकी शाखाएँ गोरखपुर, बरौनी की ओर से भी जाने के लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं, और इसके लिए लगभग 6000 करोड़ के प्रोजेक्ट भी तैयार किये गये हैं, पर अभी तक उर्वरक कारखाने बनाने के लिए किसी प्रतिष्ठित एजेंसी के साथ इकरारनामा जिम्मेदारी तथा कार्य करने के आदेश नहीं दिये गये हैं। इस दिशा में गोरखपुर उर्वरक कारखाने को वालू करने के लिए एजेंसी निर्धारित हुई है। पूर्व के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार के आश्वासन अभी भी आकृति गृहण नहीं कर पा रही है। इससे बिहार की जनता में आक्रोश व्याप्त है। मैं केंद्रीय उर्वरक कारखाने को खोलने की तत्काल व्यवस्था करें।